सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-1 • 17 APRIL TO 23 APRIL 2020 • VOLUME-32 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD
No Filing Charges &
*Pay money after the visa
IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

*T&C apply

भाजपा के सीनियर नेता ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में हुई मौतों की न्यायिक जाँच की मांग की

विजय सांपला ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में हुई मौतों की न्यायिक जांच के लिए किया मुख्यमंत्री को ट्वीट

जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी प्रबंधन के लिए मुश्किलें बढ़ रही है क्यूंकि उप मंडल मजिस्ट्रेट द्वारा नोटिस निकाल कर इनके ऊपर आरोप लगाए है की यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने प्रशासन से झूठ बोला है की उसकी यूनिवर्सिटी के अंदर सिर्फ 200 या 300 छात्र ही है जिस पर प्रशासन द्वारा उनसे जवाब माँगा गया है की यूनिवर्सिटी के अंदर 2400 छात्र पाए गए इसका वो जवाब दे और इस नोटिस पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को ट्वीट करके आग्रह किया है की अंदर हुई मौतों की न्यायिक जांच कराई जाये। जालंधर ब्रीज के संपादक ने इस मामले में हायर एजुकेशन मिनिस्टर तृप्त राजिंदर बाजवा से संपर्क साधा गया और उनसे पूछा गया की क्या उनके ध्यान में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी प्रबंधन को जारी किया गया नोटिस है तो उस पर उन्होंने ने कहा के मैं चंडीगढ़ में अपने ऑफिस में हूँ इस बाबत अभी मेरे को नहीं पता और उन्होंने आशवस्त किया की नोटिस का जवाब आने के बाद ही उनका विभाग कोई अगली करवाई कर सकता है।

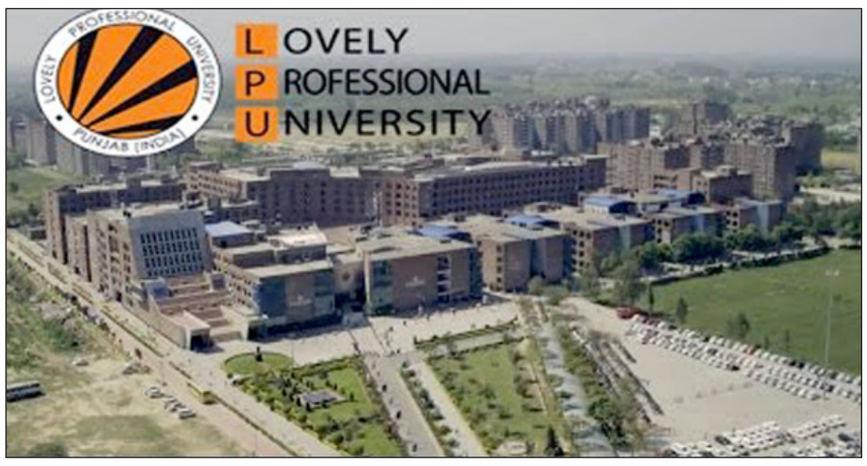

समाजसेवी ने लवली यूनिवर्सिटी के प्रबंधकों के खिलाफ की पर्चा दर्ज करने की मांग

» जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

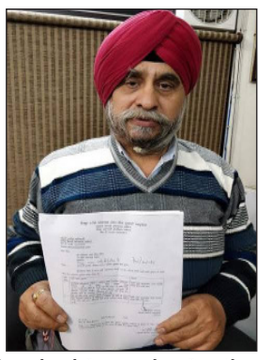

जालंधर के समाजसेवी और आर.टी.आई एक्टिविस्ट रविंदर पाल सिंह चड्ढा ने कपूरथला प्रशासन पर दोहरे मापदंड के आरोप लगाए और कहा है की क्या कपूरथला हिंदुस्तान के बाहर है जो यहाँ पर किसी की जान की कीमत को मुश्किल में डालने पर कोई सजा नहीं मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री को शिकायत की है की जिस प्रकार से दिल्ली में मजनू टिल्ला गुरुद्वारा प्रबंधको पर पर्चा दर्ज किया गया है उसी प्रकार लवली यूनिवर्सिटी के प्रबंधकों पर भी पर्चा दर्ज किया जाये ताकि संदेश जा सके पैसे में ताकत नहीं कानून ज्यादा ताकतवर है।

प्रशांत श्रीवास्तव मुख्यमंत्री सचिवालय में ओएसडी बने

संविदा आधार पर हुई नियुक्ति

भोपाल, (एजेंसी)। राज्य शासन द्वारा जारी आदेशानुसार प्रशांत श्रीवास्तव (अशासकीय व्यक्ति) को मुख्यमंत्री की निजी स्थापना में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। अधिकारिक जानकारी के अनुसार संविदा आधार पर की गई यह नियुक्ति श्री श्रीवास्तव के कार्यभार ग्रहण करने की दिनांक से आगामी आदेश तक की गई है।

पाक ने नियंत्रण रेखा पर किया सीजफायर उल्लंघन

जम्मू (एजेंसी)। पाक ने गुरुवार को पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास सीमांत गांवों में संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए सतत गोलाबारी की। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि गुरुवार सुबह लगभग नौ बजकर 45 मिनट पर पाकिस्तान ने बिना किसी उकसावे के पुंछ जिले में कस्बा और किरनी सेक्टरों में नियंत्रण रेखा के पास संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए छोटे हथियारों से गोलीबारी की है। प्रवक्ता ने बताया इसके बाद पूर्वाह्न 11.45 मिनट पर पाकिस्तानी सेना ने राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास फिर से संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए छोटे हथियारों और मोर्टार के साथ गोलीबारी की।

बागपत और दिल्ली में चीता की इमरजेंसी लैंडिंग

बागपत, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बागपत के पास ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर गुरुवार सुबह वायुसेना के हेलीकॉप्टर की अचानक आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि हेलीकॉप्टर ने गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरबेस से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद इसे बागपत में एक्सप्रेस वे पर लैंड कराना पड़ा। एयरफोर्स अफसरों ने बताया कि हेलीकॉप्टर ने गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरबेस से गुरुवार सुबह उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद ही इसे बागपत में खेकड़ा के पास एक्सप्रेस वे पर लैंड कराना पड़ा। वहीं दूसरी और दिल्ली में भी चीता की आपात लैंडिंग हुई।

लाकडाउन का एयर टिकट तो मिलेगा पूरा रिफंड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लॉकडाउन फेज-2 में भी पूरे देश में तीन मई तक ट्रेन, प्लेन, बस, अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट और मेट्रो सेवा पर रोक है। रेलवे ने साफ किया कि इस दौरान टिकट खुद-ब-खुद कैंसल होगी और यात्रियों को पूरा रिफंड मिलेगा। सभी एयरलाइन ने भी टिकट कैंसल किया है हालांकि वह रिफंड नहीं कर रही है। इसके बदले वह क्रेडिट दे रही है। नागर विमान मंत्रालय ने रिफंड को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया है। जानकारी के मुताबिक अगर किसी पैसेंजर ने 25 मार्च से 14 अप्रैल के बीच टिकट बुक किया होगा तो एयरलाइन पूरा अमाउंट रिफंड करेगी। नागर विमान मंत्रालय ने कैंसल रिक्वेस्ट डालने के तीन सप्ताह के भीतर रिफंड करने का निर्देश जारी किया है।

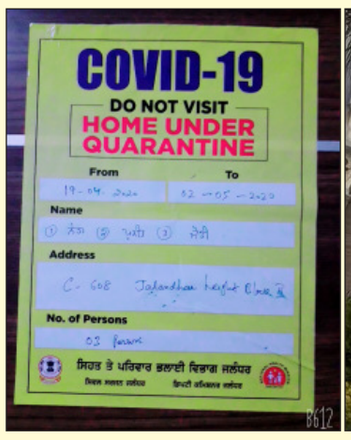

जालंधर हाइट सोसाइटी में एक परिवार के लिए गए कोविड 19 के सैंपल

जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

जालंधर शहर की प्रमुख ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी में एक परिवार को सी ब्लॉक में स्वस्थ्य विभाग की तरफ से होम क्वारंटाइन किया गया है और विभाग द्वारा उनके सैंपल ले लिए गए है जिसकी पुष्टि जालंधर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गयी है जो की जालंधर के लिए बहुत बड़ी खतरे की घंटी है क्यूंकि यहां पर बहुत बड़ी संख्या में अनिवासी भारतियों द्वारा फ्लैट खरीदे हुए है जिनका आगमन जनवरी से लेकर मार्च महीने में ज्यादा होता है और यहाँ तकरीबन 1000 परिवार से ऊपर स्थानीय निवासी रहते हैं। इतने संख्या में लोगों के आने से जालंधर के लिए बहुत परेशानी का सबब है।

तबलीगी जमात, मौलाना साद पर ईडी का शिकंजा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। निजामुद्दीन स्थित तबलीगी जमात के आलिमी मरकज के मुखिया मौलाना साद कंधालवी पर जांच एजेंसियों का शिकंजा कसता जा रहा है। विभिन्न मामलों में दिल्ली पुलिस की ओर से मुकदमा दायर करने के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मौलाना साद के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर लिया है।

अधिकारियों ने पुष्टि करते हुए कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग केस जमात से जुड़े ट्रस्टों के साथ-साथ कुछ अन्य लोगों के खिलाफ दायर किए गए हैं।

पीएमएलए के तहत केस दर्ज

अफसरों के मुताबिक, ईडी ने दिल्ली पुलिस की एफआईआर के आधार पर एन्फोर्समेंट केस इन्फर्मेशन रिपोर्ट (ईसीआईआर) फाइल की है। एक सीनियर ऑफिसर ने कहा कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट (पीएमएलए) के तहत एक आपराधिक मुकदमा दायर किया गया है। दिल्ली पुलिस के क्राइम ब्रांच ने 31 मार्च को ही मौलाना साद समेत सात लोगों खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस ने निजामुद्दीन थान के एसएचओ की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। एफआईआर लॉकडाउन के आदेश का खुला उल्लंघन करते हुए धार्मिक आयोजन में तबलीगी जमात के अनुयायियों की भीड़ जमा करने के कारण दर्ज की गई है। वहीं दूसरी और मौलाना साद के छिपे होने का स्थान मिल गया है। पुलिस ने उसे साढ़ू के घर क्वारंटाइन में रहते ढूंढ लिया है। अब क्वारंटाइन का समय समाप्त होते ही गिरफ्तार किया जाएगा।

कोरोना से लड़ाई में मदद करेगी डब्ल्यूएचओ-राष्ट्रीय पोलियो टीम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्वभर में फैल चुके खतरनाक कोरोना से निपटने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा डब्ल्यूएचओ की राष्ट्रीय पोलियो टीम मिल कर काम करेगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने कहा है कि एक बार फिर भारत सरकार और डब्ल्यूएचओ का साथ में मिल कर काम करने का समय आ गया है। दोनों ने साथ मिलकर पूर्व में देश से पोलियो को मिटाने में कामयाबी हासिल की थी। स्टेट रैपिड रेस्पोंस और डब्ल्यूएचओ की राष्ट्रीय पोलियो टीम कोरोना के खिलाड़ लड़ाई में मदद करेगी। दोनों एक साथ मिल कर कोरोना को हराएंगे और लोगों की जान बचाएंगे। दक्षिण-पूर्वी एशिया डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय प्रबंधक डॉ पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा है, कि राष्ट्रीय पोलियो सर्विलांस प्रोजेक्ट (डब्ल्यूएचओ-एनपीएसपी) ने पोलियो को खत्म करने के लिए अहम भूमिका निभाई थी और तब तक काम किया था जब तक देश में इसका प्रसार पूरी तरह से खत्म नहीं हो गया था।

यह समय उस अनुभव, जानकारी और प्रतिभा को फिर से उसी क्षमता और अनुशासन से इस्तेमाल करने का है। उन्होंने एनपीएसपी के कर्मियों से इस लड़ाई में राज्य सरकारों और जिला अधिकारियों की सहायता करने की अपील की।

डब्ल्यूएचओ ने रमजान के लिए जारी किए दिशा-निर्देश

जिनेवा / नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना वायरस 'कोविड-19' के मद्देनजर अगले सप्ताह से शुरू हो रहे रमजान के लिए दिशा-निर्देश जारी किये हैं। संगठन ने कहा है कि जहां तक संभव हो धार्मिक आयोजन और समूह में एकत्र होने से बचें। इसके बदले आयोजनों के लिए इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का इस्तेमाल किया जा सकता है। यदि आयोजन किया भी जाता है तो इनमें शामिल होने वालों की संख्या बेहद कम हो और सामाजिक दूरी तथा स्वच्छता के नियमों का पालन करें।

कोरोना को हराने के बाद नई ऊंचाई पर होगा देश

राहुल गांधी बोले, हमको मिलकर काम करना होगा

नई दिल्ली, (एजेंसी) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि कोरोना वायरस को आत्मविश्वास से हराया जा सकता है और इस महामारी के खिलाफ जंग जीतकर देश नई ऊंचाई पर होगा।

श्री गांधी ने गुरुवार को यहां विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश कोरोना वायरस को आत्मविश्वास से हरा सकता है और वायरस को हराने के बाद हिंदुस्तान एक नयी जगह पर पहुंच सकता है। बहुत तेजी से देश आगे बढ़ सकता है लेकिन डरे बिना और आत्मविश्वास के साथ इससे लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि इस महामारी से डरने की जरूरत नहीं है। देश इस वायरस को बहुत आसानी से हरा देगा, मगर हमको मिलकर और एक होकर काम करना पड़ेगा। यह वायरस हमें यही संदेश दे रहा है। हम बंट गए, वायरस जीत जाएगा एक हो गए, वायरस को हम हरा देंगे।

लॉकडाउन के बाद बड़ी चुनौती

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि लॉकडाउन से कोरोना का फैलाव रोका जा सकता है, लेकिन इसको हराने के लिए चिकित्सा सुविधा बढ़ाने और टेस्टिंग की व्यापक व्यवस्था करने की आवश्यकता है। लॉक डाउन में सरकार को इस महामारी से निपटने की तैयारी करनी है।

जूम एप असुरक्षित, इस्तेमाल न करें शासकीय कर्मचारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने लॉकडाउन के मद्देनजर विभिन्न चैटिंग और कांफ्रेन्स प्लेटफार्म के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए लोगों को गुरुवार को आगाह किया कि 'जूम मीटिंग प्लेटफार्म' सुरक्षित नहीं है और सरकारी अधिकारियों को आधिकारिक कामकाज के लिए इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। गृह मंत्रालय के तहत आने वाले साइबर समन्वय केन्द्र ने परामर्श जारी कर कहा है कि यह लोगों द्वारा निजी इस्तेमाल के लिए सुरक्षित प्लेटफार्म नहीं है।

सरकारी अधिकारियों से कहा गया है कि वे आधिकारिक कामकाज के लिए इस प्लेटफार्म का इस्तेमाल न करें। इससे पहले इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रेस्पांस टीम ने भी इसी तरह का परामर्श जारी कर इस प्लेटफार्म के इस्तेमाल से दूर रहने को कहा था। मंत्रालय ने कहा है कि यदि कोई व्यक्ति इस परामर्श के बावजूद इस प्लेटफार्म का निजी तौर पर इस्तेमाल करना चाहता है तो उसे इससे संबंधित दिशा-निर्देशों पर ध्यान देना चाहिए।

अनुमान **आईएमएफ ने कहा कि एशियाई देशों ने कोरोना को बेहतर कंट्रोल किया**

मंदी के बावजूद विश्व में सबसे तेजी से विकास करेगा भारत

इस साल भारत की विकास दर 1.9 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना से 2020 में विश्व के ज्यादातर देश चाहे वह विकसित हों या विकासशील, नेगेटिव ग्रोथ का अनुमान जताया गया है। आईएमएफ के अनुमान के मुताबिक, अडवांस इकॉनॉमी और डेवलपिंग इकॉनॉमी में ग्रोथ रेट नेगेटिव रहेगा। हालांकि दो देश- भारत व चीन में विकास दर पॉजिटिव रहेंगे। चीन की विकास दर का अनुमान 1.2 फीसदी व भारत की विकास दर का अनुमान सबसे ज्यादा 1.9 फीसदी जताया गया है। 2021 में चीन 9.2 फीसदी और भारत 7.4 फीसदी की दर से विकास कर सकता है।

कोरोना के खिलाफ एशियाई देशों का प्रदर्शन बेहतर: कोरोना की रोकथाम की दिशा में एशियाई देश अन्य क्षेत्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और ये देश तेजी से वापसी कर सकते हैं। आईएमएफ के निदेशक चांग योंग री ने कहा कि एशिया में कोरोना का असर हर क्षेत्र में होगा तथा गंभीर व अप्रत्याशित होगा। एशिया अभी भी अन्य क्षेत्रों की तुलना में बेहतर कर रहा है और तेज वापसी कर सकता है। एशिया की औसत वृद्धि दर अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक है।

विकास दर में आएगी तेजी, लेकिन नुकसान की भरपाई जल्द नहीं: एशिया की वृद्धि दर 2021 में बढ़कर 7.6 फीसदी हो जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि लेकिन इसका यह मतलब नहीं हुआ कि पूरे नुकसान की भरपाई तुरंत हो जाएगी। वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट का एशिया पर असर होगा।

चीन की विकास दर 1.2 फीसदी रहने का अनुमान

एशिया के दो बड़े व्यापारिक भागीदार अमेरिक व यूरोप में छह फीसदी और 6.6 फीसदी की गिरावट के अनुमान हैं। इस साल चीन की आर्थिक वृद्धि दर भी 2019 के 6.1 फीसदी से गिरकर 1.2 फीसदी पर आ जाने की आशंका है। कोविड-19 के कारण एशिया में उत्पादकता में भारी गिरावट देखने को मिल सकती है।

चीन ने 2008 की मंदी में जीडीपी का 8 पर्सेंट राहत उपाय किए थे: आईएमएफ ने कहा कि चीन ने पिछले वित्तीय संकट (2008-09) के दौरान जीडीपी के आठ प्रतिशत के बराबर के राहत उपाय किये थे, जिसके कारण 2009 में चीन की आर्थिक वृद्धि दर मामूली असर के बाद 9.4 प्रतिशत रही थी। हमें इस बार उस स्तर के राहत उपायों की उम्मीद नहीं है।

दखल

युवाओं को नशे से बचाना होगा

बच्चों और युवाओं में वैकल्पिक नशे की लत जिस तेजी से फैलती जा रही है, वह समाज और सरकार के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। लेकिन देखने में यह आ रहा है कि काली कमाई करके नौजवान पीढ़ी को नशे की दुनिया में धकेलने वालों के आगे हमारी कानून-व्यवस्था नतमस्तक है। मासूम बच्चों को तो यह भी नहीं पता कि वे अपनी जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। दस साल की उम्र के बच्चे वाइटनर जैसी चीजों के नशे के आदी होते जा रहे हैं।

परंपरागत नशे के खिलाफ तो जागरूकता अभियान और कार्यक्रम चलाए जाते हैं, लेकिन चिंतनीय और हैरान करने वाली बात यह है कि आजकल वैकल्पिक नशे का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है और इस खतरे की तरफ किसी का ध्यान नहीं है। अक्सर लोग सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू, शराब, भांग, चरस, हेरोइन जैसे नशीले पदार्थों को ही नशीले पदार्थों में गिनते हैं। लेकिन शायद लोगों को यह पता नहीं है कि कुछ ऐसी भी चीजें हैं, जिन्हें हम नशे की श्रेणी में नहीं रखते, पर उनसे भी नशा होता है जो दूसरे नशों की तुलना में ज्यादा जानलेवा है। यह नशा पंक्चर जोड़ने वाले रसायन, वाइटनर, थिनर, कफ सिरप, पेंट, आयोडेक्स, फेवीक्विक और इंजेक्शन के रूप लिया जाने वाला एविल, फोर्टबीन, फेनार्गन एवं केटामिल आदि का होता है। नशा देने वाली ये दवाइयां और रसायन सस्ते दाम में आसानी से दवा या दूसरी दुकानों पर मिल जाते हैं। नशे की चाह में युवा वर्ग कफ सिरप को शराब की तरह प्रयोग कर रहे हैं। इस वजह से मांग बढ़ती जा रही है। ज्यादातर सिरप कोडिन, सीटीएम, फेनाइलएफिरिन युक्त होते हैं जो ज्यादा मात्रा में लेने पर नशा पैदा करते हैं।युवक नशे के लिए कफ सिरप के अलावा इंजेक्शनों का भी इस्तेमाल करते हैं।

इस वैकल्पिक नशे की गिरफ्त में अधिकतर युवक 14 से लेकर 30 वर्ष के हैं, जिनकी टोली गली-मोहल्लों में या चाय दुकानों में प्रतिदिन देखने को मिल जाती है। इसके आदी हो चुके युवकों को जब नशा सताता है तो वे दवा दुकानों की ओर रुख कर लेते हैं। यदि दुकानों में कफ सिरप नहीं मिला, तो इंजेक्शन की तलाश करते हैं। हैरान करने वाली बात है कि एविल का इंजेक्शन तीन रुपए में दवा दुकान पर आसानी से मिल जाता है। हालांकि सरकारी नियम है कि किसी भी प्रकार की दवाओं की बिक्री बिना किसी अधिकृत चिकित्सक के परचे के बगैर न की जाए। चाहे वह खांसी का सिरप हो या फिर कोई। परंतु पैसे के लालच में दुकानदार धड़ल्ले से इसकी बिक्री कर रहे हैं। जानकारों की मानें तो इन दवाओं के अनुचित प्रयोग पर बंदिश लगाने के लिए युवाओं को शिक्षित किया जाना जरूरी है। साथ ही, अभिभावक भी अपने बच्चों पर ध्यान दें। मासूम बच्चों को तो यह भी नहीं पता कि वे अपनी जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। दस साल की उम्र के बच्चे वाइटनर जैसी चीजों के नशे के आदी होते जा रहे हैं। वाइटनर स्टेशनरी की दुकानों पर बेचना बैन नहीं है, इसलिए यह आसानी से उपलब्ध रहता है। जो कंपनियां वाइटनर बनाती हैं, उनके पास पेटेंट और अधिकार हैं। इसे बेचने के लिए कोई लाइसेंस भी नहीं चाहिए। वाइटनर पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) का एक बहुलक है। पीवीसी पानी में घुलनशील नहीं होता। इसे घोलने के लिए अल्कोहल वाले द्रव की जरूरत होती है।

इसी कारण यह नशा करने के लिए प्रयोग किया जाता है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद इसे बनाने वाली कंपनियों ने वाइटनर-थिनर का मिश्रण तैयार कर उच्च सुरक्षा वाले पैकिंग में बिक्री का दावा किया था, लेकिन अभी भी उपलब्धता आसान है। कुछ कंपनियों ने तो अब निब वाले पैकिंग ट्यूब बाजार में उतार दिए हैं। इसी तरह आयोडेक्स को खाकर नशा करने का चलन बढ़ रहा है। सामान्य पारंपरिक नशे से कहीं ज्यादा घातक इस नशीले पदार्थ की लत के जद में आ चुके कई किशोर और युवा सड़कों पर आसानी से मिल जाएंगे। झुग्गी बस्तियों में इस तरह के नशों का सेवन करने वाले सबसे ज्यादा हैं। दिल्ली, मुंबई, पटना, लखनऊ सहित कई बड़े शहर इसकी जद में है। दिल्ली में करीब 200 से ज्यादा झुग्गियों और इलाकों की पुलिस ने पहचान की है, जहां इस तरह नशा सबसे अधिक हो रहा है। पुलिस का कहना है कि महानगरों और अन्य शहरों में झुग्गी बस्तियों में नशे का कारोबार तो पहले ही से जोरों पर था, लेकिन अब हो यह रहा है कि चरस, हेरोइन जैसे नशे महंगे होने की वजह से लोग खासतौर से बच्चे सस्ते नशे की तलाश में जहरीले रसायनों का सेवन कर रहे हैं। कबाड़ बीनने वाले बच्चों से लेकर स्कूल जाने वाले बच्चे तक इस नशे की जकड़ में है। डाक्टरों का कहना है कि इस प्रकार के नशों से अचानक मौत भी हो सकती है।

अल्कोहल युक्त द्रव और रसायन तंत्रिका तंत्र को सीधा प्रभावित करते हैं। ऐसे में कम उम्र का व्यक्ति कोमा में भी जा सकता है। सूंघने से श्वसन तंत्र पर दुष्प्रभाव पड़ता है। रासायनिक प्रभाव के कारण भीतरी हिस्सों में जख्म हो सकते हैं। इस तरह के नशे से आमाशय और लीवर जैसे अंग तक प्रभावित हो सकते हैं और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की गिरफ्त में आ सकते हैं। डेंडराइट और वाइटनर का ज्यादा सेवन सीधे दिमाग पर दुष्प्रभाव डालता है। इससे दिमाग की नसें सूखने लगती हैं और सोचने की क्षमता कम होती जाती है। इसी तरह, फोर्टबीन इंजेक्शन और कोर्डिनयुक्त कफ सिरप के लगातार सेवन से मतिभ्रम, याददाश्त का कमजोर होना, लीवर में गड़बड़ और पेट व सीने में दर्द जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। नशे के ये वैकल्पिक स्रोत मानसिक संतुलन भी बिगाड़ते हैं और मस्तिष्क की कोशिकाओं को नष्ट कर देते हैं। कोई बच्चा या युवक इस तरह का नशा कर रहा है या नहीं, इसका कैसे पता लगाया जाए, यह बड़ा सवाल है। कुछ बिंदुओं को ध्यान में रखने पर व्यसन करने वाले का शुरुआती अवस्था में ही पता लगाया जा सकता है। जैसे-बच्चे के जेबखर्च में बढ़ोतरी अथवा घर से कीमती सामान गायब होने लगना, कार्य में अरुचि, अधिकतर समय घर से बाहर रहना, खेलकूद में अरुचि होना, अंतर्मुखी हो जाना, घर के लोगों के प्रति उदासीन हो जाना, एक स्थान पर लंबे समय तक बैठे रहना, स्वभाव में चिड़चिड़ापन और आक्रामकता का बढ़ना आदि। इसके अलावा शरीर और बांहों पर इंजेक्शन के ताजा निशान अथवा सूजन, लंबे समय तक आंखों का लाल रहना या आंखें बुझी-सी रहना, घर में शयन कक्ष अथवा स्नानघर में इंजेक्शन की खाली सिरिंज या कफ सिरप की शीशी मिलना, या फिर अपराध प्रवृति बढ़ जाना, उधारी और चोरी जैसी आदतें नशे की प्रवृति की सूचक हैं।

ये सब संकेत इस बात की और इशारा करते हैं कि नशे की लत ने इंसान को उस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है कि व्यक्ति मादक पदार्थों के सेवन के लिए किसी भी हद तक जा सकता है और जुर्म करने से भी परहेज नहीं करता। एक यह तथ्य भी हैरान करने वाला है कि नशे के मामले में महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। महिलाओं द्वारा भी इस तरह के मादक पदार्थों का सेवन काफी ज्यादा देखने को मिल रहा है। व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में तनाव, प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन व तलाक आदि कारण, महिलाओं में नशे की बढ़ती लत के लिए जिम्मेदार हैं। बच्चों और युवाओं में वैकल्पिक नशे की लत जिस तेजी से फैलती जा रही है, वह समाज और सरकार के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। लेकिन देखने में ये आ रहा है कि काली कमाई करके नौजवान पीढ़ी को नशे की दुनिया में धकेलने वालों के आगे हमारी कानून-व्यवस्था नतमस्तक है। वैकल्पिक नशे की जद में सबसे ज्यादा स्कूली बच्चे आ रहे हैं। वैकल्पिक नशे के खिलाफ सरकार और समाज दोनों को ही एक व्यापक अभियान चलाने की जरूरत है। साथ ही इस तरह के नशे का सामान मुहैया कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी हो। तभी हम अपनी भावी पीढ़ी को नशे के चंगुल से बचा पाएंगे और स्वस्थ समाज बना पाएंगे।

विचार

अच्छे मानसून की जगी उम्मीद

कोरोना वायरस के कहर के बीच मौसम विज्ञान विभाग ने देश में इस साल सामान्य मानसून रहने की संभावना जताई है। अगर ऐसा होता है तो यह अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर होगा, क्योंकि अभी लॉकडाउन के चलते देश की अर्थव्यवस्था का कबाड़ा हो रखा है।

कोरोना के कहर के बीच अच्छी खबर आई है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार देश में इस साल सामान्य मानसून रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग ने जानकारी दी है कि कोविड-19 लॉकडाउन के बीच पीड़ित किसानों को खुश करने वाली खबर है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव माधवन राजीव ने कहा इस साल मानसून के सामान्य रहने की उम्मीद है। मानसून सीजन 2020 के दौरान बारिश के 100 फीसदी होने की उम्मीद है। यानी कोरोना वायरस के कारण देश में लॉकडाउन के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था को जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई अच्छे मानसून के बाद गांवों से उठने वाली मांग से हो सकता है। लॉकडाउन की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था को झटका लगा है। टूरिज्म, प्राइवेट, मैन्यूफैक्चरिंग और भी कई सेक्टरों में भारी गिरावट है। अगर मानसून बेहतरीन हो जाता है तो कम से कम इसकी भरपाई गांवों से उठने वाली मांगों से हो सकेगी। अच्छी बारिश के बाद फसलें अच्छी होंगी तो किसानों के पास पैसा होगा। किसान बाजार में उस पैसे से खरीददारी करेगा जिससे कि ओवरऑल सबको फायदा होगा।

भारत विश्व का सबसे बड़ा चीनी, कॉटन व दालों का उत्पादक देश है और चावल, गेहूं के मामले में दूसरा सबसे बड़ा देश है। देश में चावल, गेहूं, गन्ने और तिलहन की खेती के लिए मानसून वर्षा महत्वपूर्ण है। खेती भारतीय अर्थव्यवस्था के 15 फीसदी हिस्से में होती है और इसके आधे से अधिक लोगों को रोजगार मिलता है। देश के करीब 30 करोड़ लोगों को इस क्षेत्र से प्रत्यक्ष या फिर अप्रत्यक्ष तरीके से रोजगार मिलता है। भारत के लगभग 65 प्रतिशत लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से किसानी के कार्य में लगे होते हैं। किसानों की अच्छी फसल होने से कई तरह के बड़े बदलाव आते हैं। गांवों से कई चीजों की डिमांड बढ़ती है जिसका असर जीडीपी पर पड़ता है। किसानों की आय अच्छी होने से सबसे ज्यादा मोटरसाइकिलों की मांग बढ़ती है जोकि ऑटो मोबाइल सेक्टर के लिए अच्छा होगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है। यहां बहुत कुछ निर्भर मानसून पर करता है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार भारत में इस साल सामान्य मानसून रहने की संभावना है। मानसून के कारण भारत का किसान खुश भी होता है और दुखी भी। किसानों को अक्सर मौसम की मार झेलनी पड़ती है। कभी सूखा तो कभी बाढ़ से तबाही मच जाती है। लेकिन इस बार किसानों को जैसे ही ये खबर मिली है कि मानसून अच्छा रहने वाला है उनका चेहरा खुशी से खिल उठा। मगर कई बार ऐसा भी हुआ है कि मानसून को लेकर मौसम विभाग की भविष्यवाणी सटीक साबित नहीं हुई। 2005 से 2017 के दौरान सात बार ऐसा हुआ जब मौसम विभाग की भविष्यवाणियां खरी नहीं उतरीं। अनुमानित और वास्तविक बारिश में कई बार खासा फर्क देखने को मिलता है। इससे सबसे ज्यादा निराशा किसान को होती है जो अच्छी पैदावार की आस लगाए रहता है।

अंधविश्वास से मुक्ति कब

धर्म के बढ़ते व्यवसायीकरण ने इसे बाजार का ऐसा बिकाऊ माल बना दिया है जिसमें लागत लगभग शून्य और कमाई लाखों-करोड़ों में है। आज बहुत सारे कथित बाबाओं, मुल्लाओं, धर्मगुरुओं और उनके चेलों के लिए यह मोटी कमाई का जरिया बन चुका है। ये लोग आम लोगों को मूर्ख बना कर लूटने में लगे हैं। बढ़ती कट्टर धार्मिकता और अंधविश्वास का कॉकटेल सामाजिक व्यवस्था के लिए घातक है।

बीते दो-ढाई दशकों में हमारे समाज में कट्टर धार्मिक गतिविधियों ने गहरी पैठ बनाई है। विभिन्न धार्मिक प्रक्रमों पूजा-पाठ, व्रत-त्योहार, धार्मिक यात्राएं, प्रवचन, धर्म प्रचार आदि में हर आम और खास बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभाने लगा है। हर स्तर के लोगों के लिए आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक स्तर को ध्यान में रखते हुए ही धार्मिक समूहों का निर्माण हो रहा है। आए दिन कथित धर्माचार्यों के नेतृत्व में मजलिसें, जलसे सहित तमाम प्रकार के धार्मिक आयोजन हो रहे हैं और लगभग सभी में लोगों की उमड़ती भीड़ ऐसे आयोजनों की रह को ज्यादा प्रखर और मुखर बना रही है। यह स्थिति समाज के हर वर्ग और कमोबेश सभी धर्मों में समान रूप से बढ़ी है। प्रश्न उठता है कि आखिर इस बढ़ती कट्टर धार्मिकता और अंधविश्वास के क्या कारण हैं? क्यों लोग सहज जीवन शैली को छोड़ कर असहजता को अपनाते जा रहे हैं?

आज के इस वैज्ञानिक युग में लोग सुबह उठने से लेकर रात में सोने तक घर, बाहर, दफ्तर, बाजार हर तरफ आधुनिक वैज्ञानिक संसाधनों का धड़ल्ले से उपयोग कर अपने जीवन के नवीनीकरण का दावा कर रहे हैं, तो दूसरी ओर पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों को तोड़ कर उनके स्थान पर अपने मनमाफिक नियमों को भी अपना रहे हैं। अपनी आधुनिकता का प्रदर्शन वे पहनावे, रहन-सहन, विचारों की प्रस्तुति से लेकर हर चीज में कर रहे हैं। पर बात जैसे ही धार्मिक विषयों की होती है तो लोग पहले से ज्यादा परंपरागत और कठोर दिखने लगते हैं। बड़े-बड़े पदों पर बैठा और बड़ी-बड़ी डिग्रियां हासिल किया व्यक्ति आसानी से संकीर्ण धार्मिकता के चोले को धारण कर ले रहा है। वैसे लोग खुद को सही सिद्ध करने के लिए बनावटी प्रकरणों, तर्कों और उदाहरणों का सहारा लेकर आसानी से दूसरों को प्रभावित भी कर रहें हैं। बदलाव की इन वजहों को खोजने के लिए आवश्यक है कि हम बीते वर्षों के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों जैसे घरेलू, व्यावसायिक, शैक्षणिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि में आए परिवर्तनों पर गौर करें।

युवा होते 21वीं सदी के इस दौर का भारत आधुनिकता, परंपरा और विकास के संक्रमण काल से गुजर रहा है। बढ़ता व्यक्तिवाद, भोगवाद, सब-कुछ एक साथ पा लेने की चाह, नित नए होने वाले अन्वेषण, वैश्वीकरण व टूटती जा रही सामाजिक-पारिवारिक वर्जनाओं आदि ने मनुष्य को एक तरफ नया करने और नया पाने का स्वप्न दिखाया है, तो दूसरी तरफ उसमें असफलता का डर भी बैठाया है। इसी डर ने उसे धार्मिक कर्मकांडों के और करीब किया है। एक तरफ ऐसे लोग हैं जो अपने कार्यक्षेत्र में सफल हैं, वे अपनी सफलता को बचाए, बनाए रखने और ज्यादा से ज्यादा ऊंचाइयों को छूने के लिए कर्म के साथ-साथ पूजा-पाठ आदि को भी तरजीह देने लगे हैं। दूसरी तरफ वे लोग भी हैं जो सिर्फ इन्हीं रास्तों पर चल कर सफलता की तलाश में लगे है। अत्यधिक व्यस्तता, एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़, मित्रों, रिश्तेदारों से बढ़ती दूरी, कृत्रिम और बनावटी माहौल आदि ने भी लोगों के जीवन की सहजता और मानसिक शांति को भंग कर दिया है। ऐसे में वे सुकून की तलाश में इन राहों पर बढ़ने लगे हैं।

दूसरी महत्वपूर्ण बात है, आजादी से लेकर अब-तक विभिन्न राजनीतिक दलों ने विचारों और नीतियों से अलग-अलग समय पर अलग विचारधारा और धर्मों से जुड़े लोगों के बीच उनके धर्म और पहचान को लेकर असुरक्षा की भावना को बढ़ाया है। इस असुरक्षा ने उन्हें और कट्टर तथा धर्मभीरू बना दिया है। इसी ने धर्म को व्यक्तिगत भावनाओं से निकाल कर सड़कों और चौराहों का विषय बना दिया है। हजारों वर्ष पूर्व भारत पर पहला विदेशी आक्रमण करने वाले ईरान के हखामनी साम्राज्य के शासकों से लेकर अंग्रेजों के भारत आक्रमण तक सैकड़ों विदेशी आक्रमणकारी इस 'सोने की चिड़िया' रूपी देश पर कब्जा जमाने, यहां से संपत्ति लूट कर ले जाने का कृत्य कर चुके हैं। उनमें से कुछ सफल हुए, कुछ असफल। कुछ अपने लक्ष्य की पूर्ति कर यहां से चले गए, तो कुछ इस जमीं की सहजता, सौम्यता और सौंदर्य के मोहपाश में बंध कर यहीं के हो गए। अलग-अलग धर्मों के प्रचारकों ने भी विभिन्न तरीकों से भारतीय लोगों को अपने धर्मों में दीक्षित करने का कार्य व्यापकता के साथ किया।

फलतः भारत भूमि विविध धर्मों और विविध जातीय बनती गई। एक तरफ हमें इस बहुलता के ढेरों फायदे मिले, तो दूसरी तरफ इससे हमारे सामाजिक ताने-बाने को चोट पहुंचने का भी खतरा बना रहा है। अंग्रेजों ने अपने शासनकाल के दौरान बार-बार इसे एक घातक हथियार के रूप में प्रयोग किया और लगभग वही काम आजादी के बाद से लेकर अब-तक राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय राजनीतिक पार्टियां कुछ खास तबकों के तुष्टीकरण और सामाजिक समरसता को तोड़ कर अपने पक्ष में जनमत तैयार करने और देश को बांटने के लिए कर रही हैं। राजनीतिक दलों ने लोगों के मन और देहरियों के भीतर विराजमान ईश्वर-अल्लाह को अब वोट की मशीन के रूप में बदल दिया है। फलस्वरूप देश का आम आदमी पहले से और ज्यादा ध्रुवीकृत और अपने कथित धार्मिक खूंटे से बंधता जा रहा है। धर्म के बढ़ते व्यवसायीकरण ने इसे बाजार का ऐसा बिकाऊ माल बना दिया है जिसमें लागत लगभग शून्य और कमाई लाखों-करोड़ों में है। आज बहुत सारे कथित बाबाओं, मुल्लाओं, धर्मगुरुओं और उनके चेलों के लिए यह मोटी कमाई का जरिया बन चुका है।

ये लोग येन-केन-प्रकारेण आम लोगों को मूर्ख बना कर लूटने में लगे हैं। सैकड़ों वर्षों की विदेशी दासता ने भारत को आर्थिक और सामाजिक रूप से जर्जर करने के साथ-साथ भारतीयों को मानसिक रूप से भी खोखला कर दिया था। गरीबी, प्राकृतिक आपदाओं की मार, अशिक्षा, खराब कृषि एवं औद्योगिक व्यवस्था आदि ने लोगों को धर्मभीरू और कमजोर बनाने के साथ-साथ उन्हें उनके कर्म से भी दूर किया। वे तमाम कष्टों और व्याधियों का इलाज धार्मिक कर्मकांडों, ओझा, पंडितों और मुल्लाओं के द्वारा ढूंढने लगे। पिछले जन्म के कर्मों और दुर्भाग्य जैसे प्रपंचपूर्ण शब्दाडंबरों में फंसने लगे। आजादी के दौरान और उसके बाद के वर्षों में लगातार किए गए सामाजिक उत्थान के कार्यों के फलस्वरूप हम बहुत हद तक इन प्रपंचों से बाहर निकल चुके थे। पर बीते दो-ढाई दशकों में धर्म के घातक व्यवसायीकरण का जाल धीरे-धीरे पूरी व्यवस्था को अपने आगोश में लेने को आतुर दिखने लगा है। इसने अपना स्वरूप इस प्रकार गढ़ लिया है कि सक्षम, पढ़ा-लिखा और सामान्य अनपढ़ सभी आगोश में समाते दिख रहे हैं।

ध्यातव्य है कि देश के आम आदमी के जीवन में इस हद तक धर्मभीरूता और कट्टरता का समावेश भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए घातक है। अंतराष्ट्रीय पत्रिका 'साइंस एड्वांसेज' की रिपोर्ट के अनुसार, जो समाज या देश जितना धर्मनिरपेक्ष होता है, वहां आर्थिक विकास की गति उतनी ही तेज होती है। रिपोर्ट बताती है कि धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक संपन्नता में यद्यपि प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, परंतु जैसे-जैसे समाज में सहिष्णुता आती है, वैसे-वैसे आर्थिक गतिविधियों में ज्यादा आबादी की हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है। कहा जा सकता है कि बढ़ती कट्टर धार्मिकता और अंधविश्वास का कॉकटेल सामाजिक व्यवस्था के लिए घातक है।

ट्विटर

मानसून को लेकर हमारे आकलन सटीक बैठेगा, अगर व्यवधान नहीं आया। अभी तापमान का जो हाल है, वह यही इशारा कर रहा है कि कुछ माह में सब अच्छा होगा।

डॉ. हर्षवर्द्धन, मंत्री पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

मौसम को लेकर भविष्यवाणी हमेशा संदेह के दायरे में रही है। बेहतर है कि हम ऐसी तकनीक विकसित करें जो मानसून की चरणबद्ध जानकारी दे।

योगेंद्र यादव, सामाजिक कार्यकर्ता

सत्यार्थ

सफलता का राज

जॉनसन एक मिल मजदूर के पुत्र थे। उनकी मां लोगों के कपड़े सिलने का काम करती थीं। जॉनसन की दिली इच्छा थी कि वह अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय के लिए एक पत्रिका निकालें। उन्होंने इसके लिए कई लोगों से सहायता मांगी, लेकिन निराशा ही हाथ लगी। अंत में उनकी मां ने कहा- बेटा! मैंने लोगों के कपड़े सिलाई करके जो फर्नीचर बनवाया है, उसे गिरवी रख देते हैं और उससे जो पैसे मिले तुम उसका उपयोग कर सकते हो। उसके बाद मां ने पांच सौ डालर का कर्ज लेकर भी उन्हें दिया। पत्रिका का ग्राहक बनाने के लिए जॉनसन ने 20 हजार लोगों को चिट्ठियां लिखीं व तीन हजार ग्राहक बनाए। नीग्रो डाइजेस्ट नाम की इस पत्रिका में अफ्रीकी-अमेरिकियों की रुचि की खबरें और लेख छपने के बाद जॉनसन ने अपने मित्रों के साथ विचार किया कि इसको कैसे बेचा जाए। बहुत सोचने के बाद उन्होंने मित्रों से कहा- तुम लोग हर दुकान पर जाओ और जहां पर यह पत्रिका न दिखे, वहां इसकी मांग करो। बढ़ती मांग को देखते हुए यह पत्रिका वितरकों को रखनी ही पड़ेगी। सभी मित्रों को जॉनसन की यह योजना बहुत पसंद आई और उन्होंने अपनी स्वीकृति दे दी। उनमें से एक मित्र ने कहा- इससे क्या फायदा होगा? जॉनसन ने कहा- पत्रिका को सफल होने दो फिर हम सबका फायदा ही फायदा है। यह योजना काम कर गई व वितरक पत्रिका को बेचने में अपनी रुचि दिखाने लगे। फिर जॉनसन सफलता की ऊंचाइयों को छूते ही चले गए। जॉन जॉनसन का जीवन इस बात का गवाह है कि छोटी शुरुआत से भी इंसान बड़ी सफलता हासिल कर सकता है, बशर्ते उसमें बुद्धि हो, लगन हो, मेहनत करने की इच्छा और कभी हार न मानने का संकल्प हो। यही तो सफलता का राज है।

कोरोना वायरस लॉकडाउन के बीच 5 नई कारों की मार्केट में एंट्री

कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते देश भर में लॉकडाउन की वजह से कई कारों की लॉन्चिंग टल गई है। वहीं, कुछ कंपनियों ने लॉकडाउन के दौरान भी नई कारें मार्केट में उतारी हैं। इन मॉडल्स को ऑनलाइन बाजार में उतारा गया है। यहां हम आपको लॉकडाउन के दौरान भारतीय बाजार में लॉन्च हुई कारों के बारे में बता रहे हैं।

महिंद्रा बोलेरो फेसलिफ्ट

महिंद्रा ने लॉकडाउन शुरू होने के अगले दिन, यानी 25 मार्च को बोलेरो का नया मॉडल लॉन्च किया। BS Mahindra Bolero फेसलिफ्ट की शुरुआती कीमत 7.76 लाख रुपए है। यह कीमत मुंबई में एक्स शोरूम की है। बोलेरो फेसलिफ्ट में सबसे बड़ा अपडेट इसके इंजन में हुआ है। साथ ही फ्रेश लुक देने के लिए एसयूवी में कॉस्मेटिक अपडेट भी किए गए हैं। अपडेटेड बोलेरो में बीएस6 कम्प्लायंट 1.5-लीटर डीजल इंजन दिया गया है। यह इंजन 75 bhp का पावर और 210 ह्वद्व टॉर्क जेनरेट करता है। इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से लैस है। एसयूवी के फ्रंट में रिवाइज्ड बोनट, नए हेडलैम्प, नई ग्रिल और नए एयर डैम व फॉग लैंप हाउसिंग के साथ नया फ्रंट बंपर दिया गया। पीछे की तरफ नए टेललैम्प और बूट गेट के लिए नया डोर हैंडल शामिल किए गए हैं। कुल मिलाकर अपडेटेड बोलेरो का लुक फ्रेश लगता है।

ह्यूंदै वरना फेसलिफ्ट

ह्यूंदै ने 30 मार्च को वरना का फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च किया था। इसकी कीमत 9.30 लाख से 15.10 लाख रुपए के बीच है। फेसलिफ्ट मॉडल में कॉस्मेटिक अपडेट के साथ-साथ मैकेनिकल अपग्रेड भी किए गए हैं। नई Hyundai Verna का लुक पुराने मॉडल से अलग और ज्यादा स्टाइलिश है। इसमें नए और अपडेटेड फीचर हैं। वरना फेसलिफ्ट में इंजन के तीन ऑप्शन दिए गए हैं, जिनमें 1.5-लीटर पेट्रोल, 1.5-लीटर डीजल और 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन शामिल हैं।

कार में कलर टीएफटी के साथ डिजिटल क्लस्टर, मल्टी-फंक्शनल स्टीयरिंग वील, फ्रंट वेंटिलेटेड सीट्स, ट्विन-टिप मफलर डिजाइन, स्मार्ट ट्रंक, इमर्जेंसी स्टॉप सिग्नल, वायरलेस फोन चार्जर, ईको कोटिंग, रियर यूएसबी चार्जर, स्टोरेज के साथ स्लाइडिंग फ्रंट सेंटर कंसोल आर्मरेस्ट, सीट हाइट अजस्टर, इलेक्ट्रिक सनरूफ और U Arkamys प्रीमियम साउंड सिस्टम जैसे फीचर दिए गए हैं। इसमें 8-इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम है। नई वरना में ह्यूंदै की ब्लूलिंक कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी भी दी गई है।

मारुति सिलेरियो एक्स बीएस6

मारुति सुजुकी ने अप्रैल की शुरुआत में बीएस6 कम्प्लायंट सिलेरियो एक्स को लॉन्च किया। इसकी कीमत 4.90 लाख से 5.67 लाख रुपए के बीच है। बीएस4 मॉडल के मुकाबले बीएस6 मॉडल की कीमत 15 हजार रुपए ज्यादा है। इसमें 1.0-लीटर का पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 66 bhp का पावर और 90 Nm टॉर्क जेनरेट करता है। मारुति का दावा है कि इसका माइलेज 21.63 किलोमीटर प्रति लीटर है।

टाटा नेक्सॉन XZ+ (S)

Tata Motors ने अप्रैल की शुरुआत में अपनी पॉप्युलर सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी Neon का एक नया वेरियंट XZ+ (S) लॉन्च किया। Tata Neon XZ+ (S) वेरियंट पेट्रोल और डीजल, दोनों वर्जन में उपलब्ध है। पेट्रोल वर्जन की कीमत 10.10 लाख और डीजल वर्जन की 11.60 लाख रुपए है। XZ+ (S) वेरियंट को पहले से मौजूद XZ+ और XZ+ (O) के बीच में पेश किया गया है। नए वेरियंट में कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी फीचर्स को छोड़कर ज्यादातर फीचर टॉप वेरियंट XZ(O) से लिए गए हैं। इनमें इलेक्ट्रिक सनरूफ, ऑटो हेडलैम्प, रेन सेंसिंग वाइपर्स, क्रूज-कंट्रोल, मल्टी-ड्राइव मोड्स, रियर एसी वेंट्स, फुल ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और स्मार्ट की पुश-बटन स्टार्ट जैसे फीचर शामिल हैं।

हेक्टर डीजल बीएस6

MG Motor ने अप्रैल के पहले सप्ताह में Hector एसयूवी का BS6 डीजल मॉडल लॉन्च किया। इसकी कीमत 13.88 लाख से 17.73 लाख रुपये के बीच है। बीएस4 वर्जन के मुकाबले बीएस6 मॉडल की कीमत 40-45 हजार रुपये तक बढ़ी है। हेक्टर में 2.0-लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जो 170hp का पावर और 350Nm टॉर्क जेनरेट कता है। इंजन 6-स्पीड मैन्युअल गियरबॉक्स से लैस है।

60 हजार से कम की 5 बेस्ट मोटरसाइकिल

ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के दिग्गजों ने संभावना जताई है कि कोरोना वायरस संकट खत्म होने के बाद एंट्री-लेवल टू-वीलर्स की डिमांड बढ़ सकती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि कोरोना के खौफ की वजह से लोग सोशल डिस्टेंसिंग को फॉलो करते रहेंगे और पब्लिक ट्रांसपोर्ट से भी दूरी बना सकते हैं। ऐसे में पर्सनल वीइकल की जरूरत पड़ेगी और लोग एंट्री-लेवल वीइकल खरीदना पसंद करेंगे।

Bajaj CT110

बजाज ऑटो की यह बाइक कम कीमत और ज्यादा माइलेज की वजह से काफी पसंद की जाती है। इसमें 115.45ष्ठ का इंजन दिया गया है, जो 8.6PS का पावर और 9.81PS टॉर्क जेनरेट करता है। इंजन 4-स्पीड ट्रांसमिशन से लैस है। यह बाइक दो वेरियंट- किक स्टार्ट और इलेक्ट्रिक स्टार्ट में उपलब्ध है। CT110 किक स्टार्ट की कीमत 46413 रुपए, जबकि इलेक्ट्रिक स्टार्ट वेरियंट की 50771 रुपए है।

TVS Sport

60 हजार रुपए से कम कीमत में आप टीवीएस की यह एंट्री-लेवल बाइक भी खरीद सकते हैं। टीवीएस स्पोर्ट में 100cc का इंजन है, जो 7.5PS का पावर जेनरेट करता है। इसकी शुरुआती कीमत 51750 रुपए है। यह टीवीएस की सबसे ज्यादा माइलेज देने वाली बाइक में से एक है।

Hero HF Delu&e BS6

हीरो की यह पॉप्युलर एंट्री-लेवल बाइक भी 60 हजार से कम कीमत में बेस्ट ऑप्शन है। इसमें 97.2cc का इंजन है। यह इंजन 8PS का पावर और 8.05 Nm टॉर्क जेनरेट करता है। एचएफ डीलक्स बीएस6 तीन वेरियंट- FI, FI-All Black और FI - ixs में उपलब्ध है। इनकी कीमत क्रमशः 55925 रुपए, 56050 रुपए और 57250 रुपए है।

Splendor Plus BS6

हीरो मोटोकॉर्प की यह बाइक देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली मोटरसाइकिल है। स्प्लेंडर प्लस भी 60 हजार रु से कम कीमत में उपलब्ध है। इसमें 97.2cc का इंजन दिया गया है, जो 8PS का पावर और 8.05 Nm टॉर्क जेनरेट करता है। स्प्लेंडर प्लस तीन वेरियंट- किक स्टार्ट FI, सेल्फ स्टार्ट FI और सेल्फ स्टार्ट FI - ixs में आती है। इस बाइक की शुरुआती कीमत 59,600 रुपए है।

Bajaj Platina 110 H Gear

60 हजार रुप से कम में आप बजाज की यह बाइक भी खरीद सकते हैं। इसमें 115.45 cc का इंजन दिया गया है, जो 8.6 PS का पावर और 9.81 Nm टॉर्क जेनरेट करता है। इंजन 5-ह्यस्पीड ट्रांसमिशन से लैस है। प्लैटिना 110 एच-गियर का बीएस6 मॉडल सिर्फ एक वेरियंट में उपलब्ध है, जिसमें डिस्क ब्रेक स्टैंडर्ड दिया गया है। इसकी कीमत 59802 रुपए है।

बता दें कि यहां दी गई बाइक्स बीएस6 कम्प्लायंट हैं और इनकी कीमत दिल्ली में एक्स शोरूम की हैं।

Vespa और U Aprilia के स्कूटर्स पर 40 हजार रुपए की छूट

- अप्रैल से बीएस6 एमिशन नॉर्म्स लागू हो गए, लेकिन अभी भी कुछ कंपनियों के पास बीएस-4 स्टॉक बचे हुए हैं।
- टू-व्हीलर मैन्युफैक्चरर और डीलर बीएस4 मॉडल पर भारी-भरकम डिस्काउंट दे रहे हैं।
- पियाज्जो सिर्फ बीएस4 की नहीं, वेस्पा-अप्रिलिया के बीएस6 स्कूटर्स पर भी छूट दे रहा है।

अप्रैल से देश में बीएस6 एमिशन नॉर्म्स लागू हो गए। मगर अभी भी कुछ कंपनियों के पास BS4 स्टॉक बचे हुए हैं, क्योंकि लॉकडाउन के चलते फिलहाल बिक्री रुकी है। लॉकडाउन खत्म होने के बाद बीएस4 व्हीकल्स को बेचने के लिए 10 दिनों का अतिरिक्त समय मिला है, लेकिन इस दौरान कुल बीएस4 स्टॉक का सिर्फ 10 पर्सेंट ही बेचा जा सकता है। इसे देखते हुए टू-वीलर मैन्युफैक्चरर और डीलर बीएस4 मॉडल पर भारी-भरकम डिस्काउंट दे रहे हैं। Piaggio के बीएस4 कम्प्लायंट स्कूटर्स पर 40 हजार रुपए का डिस्काउंट मिल रहा है।

Piaggio देश में Vespa और U Aprilia ब्रैंड के स्कूटर्स बेचता है। इन दोनों ब्रैंड के बीएस4 कम्प्लायंट स्कूटर्स पर 40 हजार रुपए का कैश डिस्काउंट मिल रहा है। खास बात यह है कि पियाज्जो बीएस6 स्कूटर्स पर भी 25 हजार रुपए की छूट दे रहा है। यह डिस्काउंट सीमित समय के लिए उपलब्ध है, क्योंकि 3 मई तक लॉकडाउन को देखते हुए बीएस4 वीइकल्स को बेचने की डेडलाइन फिलहाल 13 मई है।

बता दें कि वेस्पा और अप्रिलिया के बीएस4 और बीएस6 स्कूटर्स पर यह डिस्काउंट पुणे में मिल रहा है। देश के अन्य शहरों में भी जिन डीलर्स के पास इन स्कूटर का बीएस4 स्टॉक है, वे अपने स्तर पर ऑफर दे रहे हैं।

21 हजार तक बढ़ी बीएस6 वर्जन की कीमत

पियाज्जो ने हाल में अपने सभी स्कूटर्स के बीएस6 कम्प्लायंट वर्जन लॉन्च किए हैं। वेस्पा के बीएस4 मॉडल के मुकाबले बीएस6 मॉडल की कीमत 17-19 हजार रुपए तक बढ़ी है। वहीं, अप्रिलिया के बीएस4 मॉडल की तुलना में बीएस6 मॉडल की कीमत साढ़े 18 हजार से 21 हजार रुपए तक ज्यादा है।

बीएस6 अप्रिलिया रेंज स्कूटर्स की कीमत 85,431 रुपए से 1,12,463 रुपए के बीच है। वहीं, बीएस6 वेस्पा रेंज के दाम 91,492 रुपए से 1,31,374 रुपए के बीच है। ये कीमत एक्स शोरूम पुणे की हैं।

BS6 Bajaj Pulsar 125 Neon हुई लॉन्च, 7500 रुपए तक बढ़ी कीमत

- बीएस6 कम्प्लायंट इंजन के अलावा पल्सर 125 बाइक में कोई और बड़ा बदलाव नहीं हुआ है।
- बीएस6 बजाज पल्सर 125 नियॉन अपने सेगमेंट की सबसे पावरफुल बाइक में से एक है।
- बाइक का वजन (कर्ब वेट) 140 किलोग्राम है, जो 125 सीसी सेगमेंट में सबसे भारी है।

Bajaj Auto ने पल्सर रेंज की सबसे छोटी बाइक Pulsar 125 Neon का BS6 मॉडल लॉन्च कर दिया। BS6 Bajaj Pulsar 125 Neon के ड्रम ब्रेक वेरियंट की कीमत 69,997 रुपए, जबकि डिस्क ब्रेक वेरियंट की 74,118 रुपए है। बीएस4 वर्जन की तुलना में BS6 Pulsar 125 के ड्रम वेरियंट की कीमत 6,381 रुपए और डिस्क वेरियंट की 7,500 रुपए ज्यादा है। बीएस6 कम्प्लायंट इंजन के अलावा बाइक में कोई और बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। बीएस6 बजाज पल्सर 125 में फ्यूल इंजेक्शन सिस्टम के साथ 124.4cc का इंजन है। यह इंजन 8,500 rpm पर 11.8 bhp का पावर और 6,500 rpm पर 11 Nm टॉर्क जेनरेट करता है। बीएस6 इंजन का आउटपुट बीएस4 वर्जन के बराबर है। पल्सर 125 का इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से लैस है।

इसमें काउंटर-बैलेंसर भी है, जो इंजन को स्मूथ बनाता है। यह अभी भी अपने सेगमेंट की सबसे पावरफुल बाइक में से एक है।

किसी भी गियर में कर सकते हैं स्टार्ट

पल्सर 125 के गियरबॉक्स में प्राइमरी किक फीचर दिया गया है, जिससे सिर्फ क्लच खींचकर बाइक को किसी भी गियर में स्टार्ट किया जा सकता है। बाइक का वजन (कर्ब वेट) 140 किलोग्राम है, जो 125 सीसी सेगमेंट में सबसे भारी है।

स्टाइलिंग और कलर ऑप्शन

बजाज पल्सर 125 का लुक स्टैंडर्ड पल्सर 150 नियॉन की तरह ही है। बाइक पर कलर को-ऑर्डिनेटेड नियॉन पल्सर लोगो और ग्रैब रेल, रियर काउल पर 3डी वेरियंट लोगो और अलॉय वील्ज पर नियॉन कलर की लाइन दी गई है। बाइक तीन कलर ऑप्शन- नियॉन ब्लू, सोलर रेड और प्लैटिनम सिल्वर में उपलब्ध है।

न्यूज

सोनी बीबीसी अर्थ पर आज कोरोना पर डाक्यूमेंट्री फिल्म

ग्वालियर, (एजेंसी) । सोनी टीवी ने कोरोना वायरस को लेकर जनजागरूकता के उद्देश्य से डॉक्यूमेंट्री फिल्म कोरोना वायरस हाउ टू आइसोलेट योरसेल्फ का प्रीमियर शुक्रवार 17 अप्रैल को शाम छह बजे किया जाएगा। यह फिल्म मौजूदा समय में बेहद प्रासंगिक है। जैसे-जैसे कोरोना के विरुद्ध लड़ाई तेज हो रही है, इसका प्रसार रोकने के लिए दुनिया भर में करोड़ों लोग स्वैच्छिक अलगाव की अवधि का सामना कर रहे हैं। ऐसे में सोनी बीबीसी अर्थ अपनी विशेष पहल के हिस्से के रूप में भारत में एक महत्वपूर्ण डाक्यूमेंट्री फिल्म 'कोरोनावायरस हाउ टू आइसोलेट योरसेल्फ' प्रस्तुत करने जा रहा है। डॉ. जैंड वान तुलेकेन और मनोवैज्ञानिक किम्बर्ली विल्सन द्वारा प्रस्तुत एक घंटे की यह फीचर एक व्यावहारिक और इस वैश्विक महामारी के बारे में जरूरी बातों की वन-स्टेप गाइड है और इसमें उपयोगी एवं विश्वसनीय नुस्खों एवं सुझावों का खजाना है। शनिवार, रविवार और सोमवार को भी अलग अलग समय पर इसका पुनः प्रसारण किया जाएगा।

देश के प्रसिद्ध मठ, मंदिर व कथावाचक पीड़ितों की मदद को आगे आएं: यादव

ग्वालियर (एजेंसी)। प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह यादव ने देश के प्रसिद्ध 11 बड़े मठ, मंदिरों और प्रख्यात नौ कथावाचकों अनुरोध किया है कि वे कोरोना आपदा से पीड़ित प्रवासी दिहाड़ी मजदूरों एवं अन्य जरूरतमंदों को भोजन तथा उन्हें उनके गणतव्य स्थानों पर पहुंचाने में मदद करें। श्री यादव ने इसके लिए देश के प्रसिद्ध 11 बड़े मंदिरों, रामेश्वर धाम तमिलनाडु, श्री सोमनाथ ट्रस्ट गुजरात, द्वारिकापुरी धाम गुजरात, श्री सिद्धि विनायक गणपति मंदिर मुंबई, बद्रीनाथ धाम उत्तराखंड, श्री सांईबाबा संस्थान ट्रस्ट शिर्डी महाराष्ट्र, काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी, श्री जगन्नाथ मंदिर उड़ीसा, श्री तिरुमाला तिरुपति आंध्रप्रदेश, मीनाक्षी अम्मा मंदिर मदुरई तमिलनाडु, श्रीनाथ जी ट्रस्ट नाथ द्वारा मंदिर उदयपुर, पंजाबी भगवान मंदिर अमरकंटक शहडोल, स्वामी अवधेशानंद गिरि, जूनापीठाधीश्वर कनखल हरिद्वार दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट, आचार्य बालकृष्ण जी पंतजलि योग पीठ हरिद्वार को पत्र लिखकर इस धर्मार्थ कार्य में सहयोगी बनने का अनुरोध किया है।

पद्मश्री डॉ. श्याम सिंह शशि ने दिए पीएम फंड में एक लाख रुपए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रख्यात साहित्यकार, मानव शास्त्री एवं पद्मश्री डॉ. श्याम सिंह शशि ने कोरोना महामारी से निपटने में सहयोग करने के लिए प्रधानमंत्री रिलीफ केयर्स फंड में एक लाख रुपए का योगदान किया है। प्रकाशन विभाग के पूर्व महानिदेशक डॉ शशि ने कहा कि एक लाख रुपए का चेक जारी करते हुए कि कोरोना वायरस के संक्रमण जैसी महामारी में सभी का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आम जनता को महामारी से बचाने के लिए लॉकडाउन घोषित किया है। इसलिए सभी को इसका पालन करना चाहिए। बयासी वर्षीय साहित्यकार डॉ शशि ने यह राशि व्यक्तिगत स्तर पर अपनी पेंशन और पुस्तकों की रायल्टी से जुटाई है। उन्होंने मानव विज्ञान की कई पुस्तकें लिखी हैं तथा उन्हें रोमा जीवन तथा साहित्य का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मर्मज्ञ माना जाता है।

बाबा गंगा दास ने हरियाणा कोरोना राहत कोष में दिए पांच लाख रुपए

गोहाना (सोनीपत), (एजेंसी)। कोरोना के खिलाफ जंग में बड़ी संख्या में लोग सामने आ रहे हैं। गुरुवार को विश्व शक्ति मिशन एवं रिसर्च फाउंडेशन के प्रधान स्वामी गंगा दास ने पांच लाख रुपये का चैक हरियाणा कोरोना राहत कोष में में दिया। स्वामी दास ने इस राशि का यह चैक एसडीएम गोहाना आशीष वशिष्ठ को सौंपा। इस दौरान श्री वशिष्ठ ने स्वामी दास का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज आपदा का समय है और इस समय सभी को देश की मदद के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में लोग कोरोना की इस महामारी के दौरान मदद के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने सभी से लॉकडाउन के नियमों का पालन करने और सामाजिक दूरी बनाए रखने की भी अपील की।

झारखंड के प्रवासी मजदूरों की आर्थिक सहायता के लिए मोबाइल एप लांच

रांची, (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कोरोना (कोविड 19) के संक्रमण को रोकने के लिए देश में जारी लॉक डाउन के कारण विभिन्न प्रदेशों में फंसे राज्य के प्रवासी मजदूरों को आर्थिक सहायता पहुंचाने के लिए गुरुवार को झारखंड मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना मोबाइल एप लांच किया। श्री सोरेने ने यहां झारखंड मंत्रालय में आयोजित झारखंड विशेष सहायता योजना मोबाइल ऐप के उद्घाटन के मौके पर कहा कि आने वाले एक सप्ताह के अंदर राज्य के वैसे मजदूर जो देश के विभिन्न राज्यों में फंसे हैं उन्हें चिन्हित कर झारखंड सरकार आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराएगी। यह राशि प्रवासी मजदूरों को सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर किया जाएगा। यह राशि कम से कम एक हजार रुपए होगी।

जिले में कटाई सीजन के दौरान मंडी गेहूँ लाने वाले पहले किसान का किया स्नेहपूर्ण स्वागत

किसान ने गेहूँ की खरीद प्रक्रिया के लिए किये गए समूचे प्रबंधों के लिए जिला प्रशासन की कि प्रशंसा

जालंधर/ब्यूरो

जिला प्रशासन ने गेहूँ के कटाई सीजन के दौरान जिले की मंडियों में गेहूँ लाने वाले पहले किसानों का स्नेहपूर्ण स्वागत किया गया। जैसे ही गाँव अंगाकीडी के किसान अमरजीत सिंह महितपुर दाना मंडी में अपनी फसल लेकर आया तो जिला खुराक और सप्लाई कंट्रोलर श्री नरिन्दर सिंह के नेतृत्व में आधिकारियों ने सिरोपा देकर स6मानित किया गया। किसान को मंडी में गेहूँ लाने के लिए आढतिया गुरू नानक ट्रेडरजर द्वारा स्लिप जारी की गई थी। आधिकारियों ने किसान को बताया कि वह जिले की मंडी का पहला किसान है जिस की गेहूँ खरीद गई है। आधिकारियों ने किसान को अच्छी स्वास्थ्य और खुशहाली की शुभ कामनाएँ देते बताया कि कैप्टन अमरिन्दर सिंह मुख्यमंत्री पंजाब के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की वचनबद्धता के अंतर्गत जिले में किसानों की फसल का एक -एक दाना खरीद किया जायेगा। उन्होने बताया कि जिले में गेहूँ की सुचारू और निर्विघ्न खरीद के लिए कडे प्रबंध किये गए हैं। उन्होने कहा कि किसानों को मंडियों में किसी तरह की कोई मुश्किल पेश ना आए इस के लिए भी हर तरह के प्रयास की जा रहे हैं। जिला प्रशासन और पंजाब सरकार की तरफ से गेहूँ की निर्विघ्न खरीद ली किये गए प्रबंधों पर पूर्ण संतुष्टि को प्रगट करते हुए किसान अमरजीत सिंह ने तुरंत गेहूँ की खरीद करने की प्रशंसा की । किसान अमरजीत सिंह ने किसानों के कल्याण के लिए हर सुविधा मुहैया करवाने के लिए किये गए कडे प्रबंधों के लिए समुच्चय पंजाब सरकार की चढती कला के लिए अरदास भी की। उन्होने कहा कि पंजाब सरकार के अधिकारी और कर्मचारी 24*7 घंटे लगातार लोगों की सेवा के लिए शानदार ड्यूटी निभाई जा रही है।

लाकडाउन के दूसरे चरण में आने लगे राहत भरे रूझान

देश के 325 जिलों में कोरोना का एक भी मामला नहीं

स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता लव अग्रवाल ने मीडिया को दी जानकारी

इस बीमारी से निपटने में सोशल डिस्टेंसिंग कारगर साबित हुई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने कहा है कि देश के विभिन्न राज्यों में कोरोना वायरस 'कोविड-19' से निपटने की जो रणनीति अपनाई जा रही है उसके नतीजे सामने आ रहे हैं और देश के 325 जिलों में अभी तक कोरोना वायरस के संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता लव अग्रवाल ने गुरुवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि केन्द्र सरकार कोरोना वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए शुरू से ही सतर्क रही है और इस बीमारी को लेकर उसका नजरिया शुरू से ही 'प्रिएम्पिटव और एडवांस्ड एक्शन' का रहा है और यही कारण है कि इस बीमारी पर काफी हद तक सोशल डिस्टेंसिंग के जरिए अंकुश लगाने में कामयाब रहा गया है। उन्होंने बताया कि देश में कोरोना वायरस से पीड़ितों की टेस्टिंग को लेकर जो गाइडलाइन जारी की गई हैं, उन्हीं के आधार पर लोगों का परीक्षण किया जा रहा है और जो भी इस दायरे में आएगा, उसका पूरा परीक्षण किया जाएगा और जो भी मरीज 'मेडिकल प्रोटोकॉल' की शर्तों को पूरा करता हैं उसका पूरा परीक्षण किया जाता है। श्री अग्रवाल ने बताया कि कोरोना से निपटने खासकर 'कलस्टर आउटब्रेक' और 'कंटेनमेंट स्ट्रेटिजी' के लिए स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन और राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अधिकारियों के साथ एक वीडियो कांफ्रेंसिंग करते हुए एक 'माइक्रोप्लान' बनाया है। इस काम में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की राष्ट्रीय पोलियो टीम मिल कर काम करेगी।

उन्होंने कहा कि इस काम में स्टेट रैपिड रेस्पांस टीम और डब्ल्यूएचओ की राष्ट्रीय पोलियो टीम कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में एक साथ मिलकर काम करेगी। राष्ट्रीय पोलियो सर्विलांस प्रोजेक्ट (डब्ल्यूएचओ-एनपीएसपी) ने पोलियो को खत्म करने के लिए अहम भूमिका निभाई थी और अब उस अनुभव, जानकारी और प्रतिभा को फिर से उसी क्षमता और अनुशासन से इस्तेमाल किया जाएगा। श्री अग्रवाल ने बताया कि देश में अभी तक कोरोना वायरस के कुल 12380 मामले सामने आए हैं और इनमें से 76 विदेशी हैं। अब तक 414 लोगों की कोरोना संक्रमण से मौत हो चुकी है और इनमें से कल 37 लोगों की मौत हुई थी। देश में कोरोना के कुल 1489 मरीज ठीक हो गये हैं और कल एक ही दिन में 183 मरीज ठीक हुए थे। कोरोना वायरस के प्रकोप से देश में मरने वालों का प्रतिशत आंकड़ा 3.3 प्रतिशत है जबकि इससे ठीक होने वालों का आंकड़ा 12.02 प्रतिशत है।

तकनीकी शिक्षा विभाग ने राज्य में आईटीआई विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन कक्षाओं की की शुरूआत

विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों की रक्षा के लिए ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की-चन्नी

चंडीगढ़/ब्यूरो

तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा रा%य की आई.टी.आईज़ के विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण देने का काम आरंभ किया गया है। प्रिंसिपल और इंस्ट्रक्टरों की कमेटियां बनाकर 34 ट्रेडों के सभी थ्यूरैटीकल विषयों के लिए ई-लर्निंग सामग्री की पहचान कर ली गई है। यह जानकारी देते हुए तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के सचिव श्री अनुराग वर्मा ने बताया कि तकनीकी शिक्षा मंत्री स. चरनजीत सिंह चन्नी के दिशा-निर्देशों पर विभाग ने यह पहलकदमी की, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई पर कोई प्रभाव न पड़े और उनके अकादमिक हितों का ध्यान रखा जाए। श्री वर्मा ने कहा कि ई-लर्निंग सामग्री की खोज विभिन्न वैबसाईटों जैसे कि भारत स्किल्ज़ सर्कलज़, नेशनल इंस्ट्रकशनल मीडिया इंस्टीट्यूट (एन.आई.एम.आई.), यूट्यूब आदि से गई है। ई-लर्निंग सामग्री को एन.सी.वी.टी., डायरैक्टर जनरल ऑफ ट्रेनिंग, कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित स्लेबस के अनुसार पढ़ाने के लिए हफ्तों में बाँट दिया गया है। श्री वर्मा ने बताया कि अगले दिन पढ़ाई जाने वाली ई-लर्निंग सामग्री एक दिन पहले शाम 4.00 बजे तक वट्सएप के द्वारा इंस्ट्रक्टरों द्वारा अपनी-अपनी कक्षा के शिक्षार्थियों को भेजी जाएगी। अगले दिन प्रात:काल 10.30 बजे से 4 बजे तक 40-60 मिनट की ऑनलाइन थ्यूरी क्लास में इस सामग्री को इंस्ट्रक्टरों द्वारा पढ़ाया जाएगा और शिक्षार्थियों को असाईनमैंट्स भी दीं जाएंगी, जोकि शिक्षार्थियों द्वारा उसी दिन शाम को 6 बजे तक वट्सएप के द्वारा जमा की जाएगी। हफ्ते के आखिर में ऑनलाइन टेस्ट भी लिया जाएगा। हर रोज़ दोपहर 3 बजे इंजीनियरिंग ट्रेड वाले विद्यार्थियों के लिए इंजीनियरिंग ड्रॉइंग और वर्कशॉप कैल्कूलेशन और साइंस क्लास भी ली जाएगी।

थ्यूरैटीकल विषयों के लिए ई-लर्निंग सामग्री के 34 ट्रेडों की पहचान कर ली गई है-अनुराग वर्मा

उन्होंने बताया कि इस मैथडोलॉजी को पहले ट्रायल के तौर पर 5 आई.टी.आईज़ में कक्षाएं लगाने के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि रा%य के सभी जिलों के लिए एक नोडल अफ़सर और एक मास्टर ट्रेनर नियुक्त किया गया था। जिन्होंने दिनांक 10-4-2020 और 11-4-2020 को ट्रेनरों को इंटरनैट के प्रयोग सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया और उन्होंने आगे अपने-अपने जिले के सभी ट्रेनीज़ को प्रशिक्षण दिया। नोडल अफ़सर और एक मास्टर ट्रेनर ने वीडियो कॉन्फ्रेंस /ऑनलाइन विधि से विद्यार्थियों को पढ़ाने संबंधी ट्रेनीज़ को प्रशिक्षण दिया। इसके उपरांत समूह इंस्ट्रक्टरों द्वारा अपनी कक्षाओं के शिक्षार्थियों को ऑनलाइन /वीडियो कॉन्फ्रेंस के द्वारा पढ़ने सम्बन्धी भी प्रशिक्षण दिया।

श्री वर्मा ने बताया कि उन्होंने आज 4 आई.टी.आईज़- बठिंडा, लुधियाना, फतेहगढ़ चूड़ियाँ और पटियाला में चल रही ऑनलाइन कक्षाओं में खुद शामिल होकर देखा। अभी कि इस व्यवस्था को लागू करने में कुछ मुश्किलें आ रही हैं, परंतु विद्यार्थियों और इंस्ट्रक्टरों में इस सम्बन्धी काफ़ी उत्साह पाया जा रहा है। आई.टी.आई. लुधियाना का एक शिक्षार्थी श्री गुरबीर सिंह, प्रीत नगर (दुगरी) लुधियाना से अपने घर में इन्टरनेट का सिगनल कम होने के कारण छत पर बैठकर क्लास लगा रहा था। उन्होंने बताया कि सभी हितधारकों से निरंतर फीडबैक लेकर इसको और बढ़िया बनाने के निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

जयपुर में एक दिन में की गई करीब तीन लाख लोगों की स्क्रीनिंग

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान में जयपुर जिले में कोरोना वायरस से बचाव, रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए गुरुवार को करीब तीन लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई।

स्वास्थ्य विभाग की 986 टीमों ने किया 49,183 घरों का सर्वे

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में जिले में कोविड-19 रोग के बचाव रोकथाम व नियंत्रण के घर-घर सर्वे एवं ओपीडी स्क्रीनिंग की जा रही है और इसके तहत गुरुवार को एसएमएस के सीनियर प्रोफेसर डॉ. गोवर्धन मीना की टीमों और चिकित्सा विभाग की 986 टीमों द्वारा 49 हजार 183 घरो में सर्वे कर दो लाख 82 हजार 49 लोगों की स्क्रीनिंग की गयी। इसके साथ ही स्वास्थ्य दलों द्वारा देर शाम तक 619 सैम्पल एकत्र किये गए तथा सैम्पलिंग की प्रक्रिया निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा हर गली-मोहल्ले में डोर टू डोर सर्वे कर आमजन की स्क्रीनिंग की जा रही है, साथ ही उन्हें कोरोनावायरस के लक्षण बचाव, व रोकथाम की जानकारी देकर लॉकडाउन का पालन करते हुए अपने घरों में ही रहने की समझाइश की जा रही है।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता लोगो को अपने आसपास आने वाले अन्य राज्य, जिलों व विदेशों से आए हुए नागरिकों की सूचना विभाग के कन्ट्रोल रूम, नेशनल कॉल सेंटर, स्टेट कंट्रोल रूम, जिला कंट्रोल रूम एवं टोल फ्री हेल्पलाइन पर जानकारी देने की हिदायत दे रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें होम क्वरेंटाइन वाले व्यक्तियों के घर के बाहर होम क्वारेंटाइन के नोटिस चस्पा कर उन व्यक्तियों को घर में रहने पर पाबंद कर रही है।

कोविड 19 से लड़ाई में बढ़चढ़ कर योगदान दें भाजयुमो कार्यकर्ता : जेपी नड्डा

सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोये

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं का गुरुवार को आह्वान किया कि वे कोविड 19 के खिलाफ देश की लड़ाई में बढ़चढ़ कर योगदान दें और सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोये।

श्री नड्डा ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से भाजयुमो मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ कोरोना संकट के मद्देनजर चर्चा की और युवा मोर्चा के प्रयासों को सराहा। वीडियो कांफ्रेंस में पार्टी राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री बी. एल. संतोष भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार न सिर्फ देश में कोरोना महामारी से कुशलतापूर्वक लड़ रही है बल्कि पूरी दुनिया को इस बीमारी से लड़ने में मदद भी कर रही है। भाजपा अध्यक्ष ने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के त्याग और परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में हम सबको हर जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना है एवं उनकी हर संभव मदद करनी है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के पंच-आग्रह की दिशा में पार्टी की ओर से चलाये जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियानों की समीक्षा की और इसमें समर्पण भाव से और तेजी लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता प्रतिदिन पांच करोड़ जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध करा रहे हैं। साथ ही राशन किट का वितरण कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि देश में एक भी व्यक्ति भूखा न सोए।

प्रधानमंत्री मोदी रख रहे हैं लोगों के हितों का पूरा ख्याल

श्री नड्डा ने कहा कि 130 करोड़ देशवासियों को कोरोना महामारी से बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कड़े फैसले के साथ-साथ लोगों के हितों का भी भरपूर ख्याल रखने की कोशिश कर रहे हैं। मोदी सरकार द्वारा कोरोना संकट के समय 33.25 करोड़ लोगों के बैंक खातों में अलग-अलग योजनाओं के करीब 31,072 करोड़ रुपए सीधे स्थानांतरित किए जा चुके हैं भाजपा अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं का आवान किया कि वे सरकार के हर दिशानिर्देश का अनुसरण करने के लिए लोगों को प्रेरित करें। किसी भी आपात स्थिति में सभी राज्यों के प्रदेश कार्यालय में स्थित टोल फ्री नंबर पर कॉल आने पर जरूरतमंदों को सहायता पहुंचाना सुनिश्चित करना चाहिए।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने वीसी के जरिए खरीफ फसल के राष्ट्रीय सम्मेलन को किया संबोधित

राज्यों की सभी बाधाओं को दूर करेगी केंद्र सरकार

राज्यों को खरीफ लक्ष्य प्राप्त करने और मिशन मोड में किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखना चाहिए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि सभी राज्यों को खरीफ लक्ष्य प्राप्त करने और किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य मिशन मोड में रखना चाहिए। खरीफ फसलें 2020 पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने राज्यों को आश्वासन दिया कि भारत सरकार राज्यों के सामने आने वाली सभी बाधाओं को दूर करेगी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खरीफ सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य लॉकडाउन की स्थिति को ध्यान में रखते हुए खरीफ की खेती की तैयारियों के बारे में राज्यों के परामर्श से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करना और कदम उठाना है। श्री तोमर ने कहा कि कोरोनावायरस के कारण उत्पन्न असाधारण स्थिति का कृषि क्षेत्र को साहस और दृढ़ता से मुकाबला करना होगा और सभी को इस समय उठकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सुनिश्चित किया है कि गांव, गरीब और किसान इस संकट के दौरान परेशान न हों। श्री तोमर ने राज्यों से आग्रह किया कि वे प्रत्येक किसान को दो योजनाओं - प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के बारे में समझाएं श्री तोमर ने राज्यों को सूचित किया कि अखिल भारतीय कृषि मालवाहक कॉल सेंटर को यह सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया गया है कि लॉकडाउन के कारण कृषि प्रभावित नहीं हो।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री तोमर ने ई-एनएएम का बड़े पैमाने पर उपयोग करने के लिए भी कहा। उन्होंने राज्यों को आह्वान किया कि वे एक दूसरे से दूरी बनाए रखने और सामाजिक दायित्व संबंधी नियमों का पालन करते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय की कृषि क्षेत्र को दी गई छूट और ढील को लागू करें। वर्ष 2020-21 के लिए खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 298.0 मिलियन टन निर्धारित किया गया है। वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान, खाद्यान्न उत्पादन लक्ष्य 291.10 मिलियन टन रखा गया है जबकि विभिन्न फसलों के क्षेत्र कवरेज और उत्पादकता में वृद्धि के कारण अधिक उत्पादन होकर लगभग 292 मिलियन टन होने का अनुमान है।

दो घंटे में कोरोना वायरस जांच की स्वदेशी किट तैयार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केरल के श्री चित्रा तिरुनाल चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के वैज्ञानिकों ने दो घंटे से भी कम समय में कोरोना वायरस'कोविड-19'के संक्रमण की जांच करने वाली मशीन तैयार कर ली है।

केरल के चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के वैज्ञानिकों की पहल

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आज बताया कि यह इतने कम समय में कोरोना की जांच करने वाली देश की पहली मशीन है। नमूने की वास्तविक जांच में महज 10 मिनट लगते हैं जबकि मरीज के गले और नाक से नमूने लेकर जांच का परिणाम आने में दो घंटे से भी कम समय लगता है। ट्रायल के दौरान इसके परिणाम मौजूद आरटी-पीसीआर जांच के शत-प्रतिशत समान पाए गए। आरटी-पीसीआर में दो चरणों में नमूनों की जांच की जाती है, इसलिए उसमें ज्यादा समय लगता है और उसकी लागत भी अधिक होती है। उसमें पहले कोविड-19 के ई जीन की जांच कर स्क्रीनिंग की जाती है। आरडीआरपी जीन की जांच कर वायरस की पुष्टि होती है। श्री चित्रा संस्थान द्वारा विकसित किट वायरस के एन जीन की जांच करता है और एक जांच में अंतिम परिणाम मिल जाता है। इस किट को'चित्रा जीन एलएएमपी-एन'नाम दिया गया है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.